श्रीः

पञ्चकलिका।

अर्थात् पांच आख्यायिकाओं का संग्रह।

आदर्श, कलकत्ता-समाचार, मर्यादा,
तथा बालप्रभाकर से पुनर्मुद्रित।
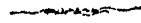
श्रीमन्निम्बार्कसम्प्रदायाचार्य-
श्रीछबीलेलालगोस्वामि-लिखित,

एवं तदीय-
श्रीसुदर्शनप्रेस, वृन्दावन से
छपकर प्रकाशित।

सन् १११६ ई०

प्रथमवार १००० | * | मूल्य पांच आने।